

3.32 गुना वाटर पॉजिटिव बनी हिन्दुस्तान जिंक

जयपुर/उदयपुर | विश्व पर्यावरण दिवस पर हिन्दुस्तान जिंक ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। कंपनी अब 3.32 गुना वाटर पॉजिटिव बन गई है। यह आंकड़ा डीएनवी बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने सत्यापित किया। पहले यह सूचकांक 2.41 था। यह उपलब्धि जल प्रबंधन के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राजस्थान जैसे जल संकट वाले क्षेत्र में काम करते हुए, हिन्दुस्तान जिंक ने जीरो लिक्विड डिस्चार्ज नीति अपनाई। इसके तहत पानी और अपशिष्ट का उपचार, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग किया जाता है। इससे शुद्ध जल पर निर्भरता कम हुई है। कंपनी की चेयरपर्सन प्रिया आग्रवाल हेब्बर ने कहा कि पानी केवल संसाधन



नहीं, साझा विरासत है। 3.32 गुना वाटर पॉजिटिव बनकर हम जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर रहे हैं। पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल कर रहे हैं। जल-तनाव वाले क्षेत्रों में सस्टेनेबल माइनिंग का बेंचमार्क बना रहे हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पर कंपनी ने 1.5 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया। पर्यावरण प्रशोतरी, पौध वितरण, अपशिष्ट से धन, संसाधन पुनरुद्धार चुनीली और पर्यावरण अनुकूल क्रिकेट टूर्नामेंट जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं। इनका उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता बढ़ाना था।